Girls' High School & College, Prayagraj
Worksheet No. 3
Session 2020-2021
Class VI (A, B, C, D, E, F)
Subject: - Hindi Language

<u>निर्देश</u> - अभिभावकों से निवेदन है कि दिए गए अभ्यास-कार्य को किसी भी व्याकरण-पुस्तक के द्वारा पूर्ण करने में छात्राओं की सहायता करें ।

पाठ - वर्ण-विचार

उस छोटी-से-छोटी ध्वनि को वर्ण या अक्षर कहते हैं , जिसके और टुकड़े ना किए जा सकें । जैसे- अ, इ, क्, ख्, ग् आदि । रचना की दृष्टि से भाषा की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई वर्ण है । वर्णों के योग से शब्द बनते हैं । शब्दों के योग से वाक्य बनते हैं । वर्णों का व्यवस्थित क्रम वर्णमाला कहलाता है ।

उदाहरण के लिए नीचे कुछ शब्द और उनके वर्ण दिए गए हैं -

पंखा : प् + अं + ख् + आ

फूल : फ् + ऊ + ल् + अ

राजा : र् + आ + ज् + आ

कबूतर : क् + अ + ब् + ऊ + त् + अ + अ + र्

ऊपर दिए गए शब्दों; पंखा, फूल, राजा और कबूतर में क्रमशः चार और पाँच वर्ण हैं। अत: वर्ण आपस में मिलकर शब्दों का निर्माण करते हैं। वर्ण की परिभाषा हम इस प्रकार दे सकते हैं-

वर्ण भाषा की सबसे छोटी ध्वनि होती है, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते ।

वर्णमाला(Alphabet)

वर्णमाला - वर्णों का व्यवस्थित और क्रमबद्ध समूह वर्णमाला कहलाता है ।

हिंदी वर्णमाला में 11 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं।

हिन्दी वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ
	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
	ष	स	ह	
	क्ष	त्र	ज्ञ	

वर्ण के भेद

वर्णों के तीन भेद होते हैं ।

1) स्वर 2) अयोगवाह 3) व्यंजन

स्वर

स्वर वे ध्वनियाँ होती हैं जिनका उच्चारण करते समय वायु फेफड़ों से निकलकर कंठ में बिना रुके ही मुख से बाहर आ जाती है। जैसे- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

स्वर के भेद (Kinds of vowels)

हिंदी में स्वरों के तीन भेद होते हैं -

(क) ह्रस्व स्वर (ख) दीर्घ स्वर (ग) प्लुत स्वर

(क) ह्रस्व स्वर (Short Vowels)- ह्रस्व स्वरों का उच्चारण करने में बहुत कम समय लगता है। हिंदी में अ, इ, उ और ऋ ह्रस्व स्वर हैं ।

(ख) दीर्घ स्वर (Long Vowels)- जिन स्वरों का उच्चारण करने में ह्रस्व स्वरों की अपेक्षा अधिक समय लगता है, उन्हें 'दीर्घ स्वर' कहते हैं । जैसे- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

(ग) प्लुत स्वर (Longer Vowels)- इन स्वरों का उच्चारण करते समय ह्रस्व स्वरों से तीन गुना अधिक समय लगता है। जैसे- ओ३म्, भैयाऽऽ आदि।

याद रखने योग्य

1) भाषा की वह सबसे छोटी इकाई जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं, वर्ण कहलाती है।

2) वर्णों का व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है।

3) भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है।

4) ध्वनि को ही वर्ण कहते हैं।

5) वर्णों के तीन भेद होते हैं- स्वर, अयोगवाह और व्यंजन।

6) स्वरों के तीन भेद होते हैं- ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत।

प्रश्न 1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1) वर्ण किसे कहते हैं ?

2) हिन्दी में वर्ण कितने प्रकार के होते हैं ?

3) ह्रस्व स्वर किसे कहते हैं ?

4) दीर्घ स्वर किसे कहते हैं ?

5) प्लुत स्वर किसे कहते हैं ?

प्रश्न 2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

1) भाषा की सबसे छोटी इकाई _____ है।

2) ध्वनि को ही _____कहते हैं।

3) वर्णों के तीन भेद होते हैं- स्वर, अयोगवाह और _____ ।

4) स्वरों के तीन भेद होते हैं- ह्रस्व, _____ और प्लुत।

5) हमारे मुख से _____ ध्वनियाँ निकलती हैं ।

अपठित गद्यांश

वायु प्रदूषण का सबसे अधिक प्रकोप महानगरों पर हुआ है। इसका कारण है, बढ़ता हुआ औद्योगीकरण। गत बीस वर्षों में भारत के प्रत्येक नगरों में कारखानों की जितनी तेज़ी से वृद्धि हुई है, उससे वायु मंडल पर बहुत प्रभाव पड़ा है। क्योंकि इन कारखानों में चिमनियों से चौबीसों घंटे निकलने वाले धुएं ने सारे वातावरण को विषाक्त बना दिया है। इसके अलावा सड़कों पर चलने वाले वाहनों की संख्या में तेज़ी से होने वाली वृद्धि भी वायु-प्रदूषण के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है| इन वाहनों के धुएं से निकलने वाली 'कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस' के कारण आज न जाने कितने प्रकार की साँस और फेफड़ों की बीमारियाँ आम बात हो गई है। बढ़ती हुई जनसंख्या और लोगों का काम की तलाश में गाँवों से शहरों की ओर भागना भी वायु-प्रदूषण का अप्रत्यक्ष कारण है। शहरों की बढ़ती जनसंख्या के लिए आवास की सुविधाएँ उपलब्ध करने के लिए वृक्षों और वनों को भी निरंतर काटा जा रहा है। वायु-प्रदूषण को रोकने के उपायों की हमें खोज करनी चाहिए। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।

प्रश्न 1) <u>निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए</u> :-

(1) वायु प्रदूषण का सबसे अधिक प्रकोप महानगरों पर ही क्यों हुआ ?

(2) वाहन वायु-प्रदूषण में किस प्रकार वृद्धि करते हैं ?

(3) पर्यावरण की रक्षा के लिए क्या किया जाना चाहिए ?

(4) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए |

(5) वाहनों से कौन सी गैस निकलती है ?

औपचारिक पत्र

1) अवकाश के लिए प्रार्थना- पत्र

सेवा में,

प्रधानाचार्या,

गर्ल्स हाई स्कूल एण्ड कॉलेज,

25, एल्गिन रोड,

सिविल लाइन्स,

प्रयागराज ।

विषय: अवकाश हेतु पत्र।

महोदया,

मैं वैशाली गुप्ता, आपके विद्यालय की कक्षा छः की छात्रा हूँ । मैं कल रात से ज्वर से पीड़ित हूँ। आज भी मैं पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं हूँ। डॉक्टर ने मुझे तीन दिन आराम करने की सलाह दी है। अत: मैं तीन दिन तक विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सकती हूँ। कृपया मुझे दिनांक 03-05-2020 से 05-05-2020 तक का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारी शिष्या,

वैशाली गुप्ता

कक्षा-6-अ

दिनांक : 20-05-20

प्रश्न - प्रधानाचार्या को आर्थिक सहायता के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

E N D